

कविता का सारांश

“घर की याद” कविता में कवि ने अपने घर और परिवार के प्रति गहरे प्रेम और लगाव को व्यक्त किया है। जब कवि घर से दूर होता है, तो उसे अपने परिवार के सदस्यों—माता, पिता, भाई-बहन—की बहुत याद आती है। वह उनके स्नेह, अपनापन और साथ बिताए गए सुखद क्षणों को याद करके भावुक हो जाता है।

कवि वर्षा ऋतु (सावन) के बादलों को अपना दूत बनाकर अपने घर संदेश भेजना चाहता है। वह बादलों से प्रार्थना करता है कि वे उसके परिवार को उसका हाल बता दें और उनके सुख-समाचार लेकर आएँ। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रकृति के माध्यम से भी कवि अपनी भावनाएँ व्यक्त करता है।

कविता में बचपन की यादें, परिवार का स्नेह और घर का वातावरण बहुत ही सुंदर तरीके से चित्रित किया गया है। कवि अपने बचपन की निश्चिंतता, माता-पिता के प्यार और घर के आनंदमय वातावरण को याद करके भाव-विभोर हो जाता है।

कविता का संदेश:-

- यह कविता बताती है कि घर और परिवार हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनसे दूर रहने पर उनकी याद और प्रेम का महत्व और अधिक महसूस होता है।

शब्दार्थ:

- | | |
|---------------------------------|------------------------------|
| • घनेरा — बहुत सघन, गाढ़ा | • वज्र — बहुत कठोर |
| • झंझा — तेज हवा, आँधी | • नवनीत — ताजा मक्खन |
| • लरजना — काँपना, थरथराना | • उमंग — खुशी, उत्साह |
| • तिर/तरना — तैरना, पार करना | • हास — हँसी, प्रसन्नता |
| • चतुर्दिक् — चारों ओर | • मगन — आनंद में डूबा हुआ |
| • परिताप — अत्यधिक दुख या पीड़ा | • विरस — नीरस, बेरस |
| • तृषा — प्यास, तीव्र इच्छा | • खम — टेढ़ापन, झुकाव |
| • अश्रु — आँसू | • मूठ — मुट्ठी, थोड़ी मात्रा |
| • उर — हृदय, मन | • लुनाई — सुंदरता, आकर्षण |
| • स्मृति — याद, स्मरण | • सहज — स्वाभाविक, सरल |
| • क्लेश — दुख, पीड़ा | • निहायत — बहुत अधिक |
| • धीर — शांत, धैर्यवान | • पावन — पवित्र |
| • अभागा — दुर्भाग्यशाली | • बेला — मोगरा फूल |

- फलानी — कोई अनिश्चित व्यक्ति/वस्तु
- झारी — टोंटी वाला बर्तन
- बड़ — बरगद का पेड़
- क्षितिज — जहाँ धरती और आकाश मिलते दिखते हैं
- कातना — धागा बनाना
- अस्त — डूबना, समाप्त होना

अभ्यास

रचना से संवाद

मेरे उत्तर मेरे तर्क

निम्नलिखित प्रश्नों के सटीक उत्तर चुनिए और यह भी बताइए कि आपको ये उत्तर उपयुक्त क्यों लगते हैं?

1. भवानीप्रसाद मिश्र ने यह कविता कहाँ और क्यों लिखी?

- | | |
|---------------------------|----------------------------------|
| (क) विदेश से मित्र के लिए | (ख) युद्धभूमि से जनता के लिए |
| (ग) जेल से परिवार के लिए | (घ) यात्रा से किसी संबंधी के लिए |

उत्तर: (ग) जेल से परिवार के लिए

कारण: कवि उस समय जेल में थे और अपने परिवार से दूर होने के कारण उन्हें घर की बहुत याद आ रही थी। इसलिए उन्होंने यह कविता अपने परिवार के प्रति अपने प्रेम और विरह को व्यक्त करने के लिए लिखी।

2. लगातार बरसता पानी कवि के मन की किस भावना का परिचायक है?

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (क) उत्साह और आवेग | (ख) भय और क्रोध |
| (ग) साहस और उमंग | (घ) चिंता और बेचैनी |

उत्तर: (घ) चिंता और बेचैनी

कारण: लगातार बारिश कवि के मन की व्याकुलता और बेचैनी को दर्शाती है। जैसे बाहर वर्षा रुक नहीं रही, वैसे ही उसके मन में घर की यादें लगातार उमड़ रही हैं।

3. कविता में माँ की कैसी छवि उभरती है?

- | | |
|-----------------------------|----------------------|
| (क) कमज़ोर और निष्क्रिय | (ख) स्नेहमयी और दृढ़ |
| (ग) शिक्षित और अनुशासनप्रिय | (घ) सरल और उदासीन |

उत्तर: (ख) स्नेहमयी और दृढ़

कारण: माँ को अत्यंत प्यार करने वाली, देखभाल करने वाली और साथ ही मजबूत व्यक्तित्व वाली दिखाया गया है, जो परिवार को संभालती है।

4. "वज्र-भुज नवनीत-सा उर" पंक्ति के माध्यम से पिता के व्यक्तित्व की कैसी छवि प्रस्तुत की गई है?

- | | |
|-----------------------|----------------------------|
| (क) कर्मठ और सृजनशील | (ख) साहसी और पराक्रमी |
| (ग) दृढ़ और संवेदनशील | (घ) प्रसन्नचित्त और सक्रिय |

उत्तर: (ग) दृढ़ और संवेदनशील

कारण: 'वज्र-भुज' का अर्थ है मजबूत भुजाएँ (दृढ़ता) और 'नवनीत-सा उर' का अर्थ है कोमल हृदय (संवेदनशीलता)। इससे पिता के कठोर और कोमल दोनों गुणों का चित्रण होता है।

5. "एक पत्ता टूट जाए, बस कि धारा फूट जाए" पंक्ति किस ओर संकेत करती है?

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (क) पिता की कठोरता | (ख) पिता की भावुकता |
| (ग) वर्षा की तीव्रता | (घ) पिता की निर्बलता |

उत्तर: (ख) पिता की भावुकता

कारण: यह पंक्ति बताती है कि पिता बाहर से मजबूत दिखते हैं, लेकिन अंदर से बहुत भावुक हैं—छोटी सी बात पर उनकी भावनाएँ उमड़ पड़ती हैं।

6. "बहिन आई बाप के घर, हाय रे परिताप के घर" पंक्ति में 'परिताप' शब्द से क्या संकेत मिलता है?

- | | |
|---------------------------|-----------------|
| (क) घर का समृद्ध होना | (ख) घर की सजावट |
| (ग) घर में दुख का वातावरण | (घ) घर की शांति |

उत्तर: (ग) घर में दुख का वातावरण

कारण: 'परिताप' का अर्थ है दुख या पीड़ा। यहाँ यह घर में व्याप्त उदासी और कष्ट को दर्शाता है।

7. "और कहना मस्त हूँ मैं" पंक्ति में कवि का ऐसा कहना किस बात की ओर संकेत करता है?

- | | |
|-------------------------------------|---|
| (क) कवि अपने जीवन में बहुत खुश है। | (ख) अपने दुख को परिजनों से छिपाना चाहता है। |
| (ग) घर के लोगों के प्रति उदासीन है। | (घ) कवि प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत है। |

उत्तर: (ख) अपने दुख को परिजनों से छिपाना चाहता है।

कारण: कवि वास्तव में दुखी है, लेकिन वह अपने परिवार को चिंता में नहीं डालना चाहता, इसलिए वह अपने को 'मस्त' बताता है।

8. इस कविता में किस बात को प्रमुखता से वर्णित किया गया है?

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| (क) घर की शांति और सुरक्षा | (ख) घर के सदस्यों के बीच का संबंध |
| (ग) घर के निर्माण की प्रक्रिया | (घ) घर की याद और अकेलेपन की पीड़ा |

उत्तर: (घ) घर की याद और अकेलेपन की पीड़ा

कारण: पूरी कविता में कवि के मन की मुख्य भावना घर की याद और अकेलेपन का दुख है, जिसे बहुत भावुक तरीके से व्यक्त किया गया है।

मेरी समझ मेरे विचार

नीचे दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा कीजिए और उनके उत्तर लिखिए—

- कविता में वर्णित पिता के व्यक्तित्व की उन विशेषताओं का वर्णन कीजिए जिनसे उनका बहुआयामी रूप सामने आता है।

उत्तर: 'घर की याद' कविता में भवानीप्रसाद मिश्र ने अपने पिता के व्यक्तित्व का एक बहुआयामी (Multidimensional) चित्र खींचा है। वे एक ही समय में शारीरिक रूप से अत्यंत वज्र के समान मजबूत और आंतरिक रूप से बेहद कोमल स्वभाव के दिखाई देते हैं। उनकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- अदम्य उत्साह और शारीरिक सौष्ठव: बुढ़ापे ने उन्हें छुआ तक नहीं है। वे आज भी युवाओं की तरह खिलखिलाकर हँसते हैं, दौड़ सकते हैं और मौत के सामने भी नहीं हिचकते। वे रोज गीता पाठ करते हैं, दंड लगाते हैं और मुगदर घुमाते हैं।
- फौलादी वाणी और कार्यकुशलता: उनकी आवाज में 'बादल जैसी गरज' है और काम करने की गति इतनी तीव्र है कि मानो 'तूफान भी शर्मा जाए' (झंझा लरजता)।
- अत्यंत भावुक और स्नेहमयी हृदय: ऊपर से वज्र की तरह दिखने वाले पिता का हृदय 'नवनीत' (मक्खन) जैसा कोमल है। अपने चार बेटों और बेटियों के बीच जब उन्हें अपना पाँचवाँ बेटा (कवि) दिखाई नहीं देता, तो उनका धैर्य टूट जाता है और उनकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।

2. "दुख डटकर झेलता हूँ" यह कथन मनुष्य के संघर्षशील स्वभाव को उजागर करता है। कविता के आधार पर बताइए कि कठिन परिस्थितियों में कवि किस प्रकार धैर्य, साहस और त्याग का परिचय देता है?

उत्तर: कवि कठिन परिस्थितियों (जेल जीवन) में भी धैर्य और साहस बनाए रखता है। वह अपने दुखों को सहते हुए भी परिवार को चिंता में नहीं डालना चाहता, इसलिए कहता है "मस्त हूँ मैं"।

वह अपने कष्टों को छिपाकर अपने परिवार की खुशी को प्राथमिकता देता है। यह उसके त्याग और सहनशीलता को दर्शाता है। इस प्रकार कवि संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और त्याग का परिचय देता है।

3. कविता में बार-बार वर्षा का वर्णन कवि के भावों को किस प्रकार व्यक्त करता है?

उत्तर: कविता में वर्षा का बार-बार वर्णन कवि के मन की भावनाओं का प्रतीक है। लगातार बरसता हुआ पानी कवि की बेचैनी, व्याकुलता और घर की याद को दर्शाता है।

जैसे वर्षा रुकने का नाम नहीं लेती, वैसे ही कवि के मन में उठने वाली यादें भी निरंतर चलती रहती हैं। इस प्रकार वर्षा कवि के आंतरिक भावों को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करती है।

4. कविता से उन पंक्तियों को चुनकर लिखिए और भाव स्पष्ट कीजिए जिनसे माँ की भावनात्मक मजबूती का परिचय मिलता है।

उत्तर: पंक्ति: "और कहना मस्त हूँ मैं"

भावार्थ: यह पंक्ति माँ की भावनात्मक मजबूती को दर्शाती है। कवि जानता है कि उसकी माँ बहुत संवेदनशील है, इसलिए वह अपने दुखों को छिपाकर यह संदेश भेजता है कि वह खुश है।

माँ अपने बच्चों के दुख से दुखी होती है, इसलिए कवि उसकी भावनाओं को संभालने के लिए स्वयं कष्ट सहते हुए भी उसे चिंता से बचाता है। इससे माँ की संवेदनशीलता और मानसिक दृढ़ता दोनों प्रकट होती हैं।

5. कविता का कौन-सा अंश आपको सबसे अधिक भावनात्मक और प्रभावी लगता है और क्यों?

उत्तर: मुझे "वज्र-भुज नवनीत-सा उर" पंक्ति सबसे अधिक भावनात्मक और प्रभावी लगती है।

क्योंकि इस पंक्ति में बहुत सुंदर ढंग से पिता के बाहरी कठोर रूप और आंतरिक कोमलता को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। यह हमें यह समझाती है कि जो लोग बाहर से सख्त दिखते हैं, वे अंदर से बहुत संवेदनशील भी हो सकते हैं।

यह पंक्ति परिवार के प्रति प्रेम और भावनाओं की गहराई को बहुत प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करती है।

विधा से संवाद

कविता का सौंदर्य

"गिर रहा पानी झरा-झर, हिल रहे पत्ते हरा-हर,
बह रही है हवा सर-सर, काँपते हैं प्राण थर-थर"

उपर्युक्त पंक्तियों में रेखांकित शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए। यहाँ शब्दों का चयन और संयोजन इस प्रकार किया गया है कि कविता में ध्वन्यात्मकता और नाद सौंदर्य की सृष्टि हुई है। शब्दों के ऐसे प्रयोग से कविता आकर्षक बनती है। कविता में ऐसी अनेक विशेषताएँ हैं जो इसे जीवंत और प्रभावपूर्ण बनाती हैं। ऐसी कुछ विशेषताओं की सूची नीचे दी गई है। कविता से ऐसी विशेषताओं वाली पंक्तियों को ढूँढ़कर लिखिए।

विशेषताएँ

- स्मृति और दृश्य बिंब
- आलंकारिक प्रयोग
- लोकभाषा की सहजता
- प्राकृतिक दृश्यों और भावों का संयोजन
- पंक्तियों का दोहराव
- संबोधनात्मकता

उत्तर: यहाँ कविता "घर की याद" के आधार पर दी गई विशेषताओं के अनुसार उपयुक्त पंक्तियाँ और उनका संकेत दिया गया है:

- स्मृति और दृश्य बिंब
 - पंक्ति: "बहिन आई बाप के घर, हाय रे परिताप के घर"
 - व्याख्या: इस पंक्ति में घर का दृश्य और पारिवारिक स्थिति का चित्र उभरता है, जिससे कवि की स्मृतियाँ और भावनाएँ स्पष्ट होती हैं।
- लोकभाषा की सहजता
 - पंक्ति: "और कहना मस्त हूँ मैं"
 - व्याख्या: यह पंक्ति बहुत सरल और बोलचाल की भाषा में है, जिससे कविता सहज और स्वाभाविक लगती है।
- पंक्तियों का दोहराव
 - पंक्ति: "घर की याद" (भाव का बार-बार आना)
 - "गिर रहा पानी झरा-झर..." जैसे शब्दों का दोहराव
 - व्याख्या: दोहराव से कविता में लय और प्रभाव बढ़ता है तथा भाव और गहरा हो जाता है।
- आलंकारिक प्रयोग
 - पंक्ति: "वज्र-भुज नवनीत-सा उर"
 - व्याख्या: यहाँ उपमा अलंकार है—पिता की भुजाओं को वज्र (कठोर) और हृदय को नवनीत (मक्खन) जैसा बताया गया है।
- प्राकृतिक दृश्यों और भावों का संयोजन
 - पंक्ति: "गिर रहा पानी झरा-झर, हिल रहे पत्ते हरा-हर"

- व्याख्या: प्रकृति (बारिश, पत्ते) के माध्यम से कवि के मन की व्याकुलता और भावनाएँ व्यक्त की गई हैं।

• संबोधनात्मकता

- पंक्ति: “हे बादल! तुम जाना मेरे घर” (भावानुसार)

- व्याख्या: कवि बादलों को संबोधित करके अपने संदेश भेजना चाहता है, जिससे कविता में संवादात्मकता आती है।

निष्कर्ष: इन सभी विशेषताओं—ध्वन्यात्मकता, अलंकार, प्रकृति-चित्रण, सरल भाषा और भावपूर्ण अभिव्यक्ति—के कारण कविता अत्यंत सुंदर, जीवंत और प्रभावशाली बन जाती है।

कविता की संरचना

'घर की याद' कवि के भीतर उठते भावों की यात्रा है। कविता में प्रकृति के माध्यम से व्यक्त इस यात्रा के प्रमुख चरणों का वर्णन करें।

(संकेत— पानी का गिरना, सवेरा होना)

उत्तर: 'घर की याद' कविता में कवि के मन में उठने वाले भावों की यात्रा को प्रकृति के माध्यम से बहुत सुंदर ढंग से व्यक्त किया गया है।

- सबसे पहले लगातार पानी गिरने (बारिश) का दृश्य आता है। यह बारिश कवि के भीतर के दुख, विरह और बेचैनी को दर्शाती है। बरसते पानी के साथ उसकी यादें भी उमड़ने लगती हैं और वह अपने घर-परिवार को याद करके भावुक हो जाता है।
- इसके बाद सवेरा होने (सुबह) का वर्णन आता है। सवेरा एक नई आशा और शांति का प्रतीक है। इससे कवि के मन में आशा, संतुलन और धैर्य का भाव जागता है।

निष्कर्ष: इस प्रकार, बारिश से शुरू होकर सवेरा होने तक कवि के मन की यात्रा दुख और विरह से आशा और शांति की ओर बढ़ती है।

विषयों से संवाद

1. कविता में चित्रित 'घर' एक भौतिक स्थान से बढ़कर भावनाओं और संबंधों के केंद्र के रूप में चित्रित हुआ है। वर्तमान में एकल परिवारों के बढ़ते चलन के संदर्भ में संयुक्त परिवार और एकल परिवार की तुलना कीजिए और कारण सहित लिखिए कि दोनों की कौन-कौन-सी बातें आपको पसंद हैं और कौन-कौन-सी नापसंद?

उत्तर: कविता में 'घर' केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि प्रेम, स्नेह और संबंधों का केंद्र है। आज के समय में परिवार दो प्रकार के होते हैं— संयुक्त परिवार और एकल परिवार।

संयुक्त परिवार:

पसंद:

- सभी सदस्य साथ रहते हैं, जिससे प्यार और अपनापन बना रहता है।
- बड़े-बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलता है।
- कठिन समय में सहारा और सहयोग मिलता है।

नापसंद:

- कभी-कभी अधिक हस्तक्षेप और कम निजी स्वतंत्रता होती है।
- निर्णय लेने में मतभेद हो सकते हैं।

एकल परिवार:

पसंद:

- स्वतंत्रता और निजी जीवन अधिक मिलता है।
- छोटे परिवार में निर्णय लेना आसान होता है।

नापसंद:

- अकेलापन महसूस हो सकता है।
- कठिन समय में सहयोग की कमी रहती है।

निष्कर्ष: दोनों परिवारों की अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं। मुझे सं

2. कविता में बार-बार पानी गिरने का वर्णन है। लगातार बारिश होती रहे तो ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में किस प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?

उत्तर: लगातार बारिश से दोनों क्षेत्रों में कई समस्याएँ उत्पन्न होती हैं—

ग्रामीण क्षेत्र में:

- फसलें खराब हो जाती हैं
- कच्चे घरों को नुकसान होता है
- रास्ते कीचड़युक्त हो जाते हैं

शहरी क्षेत्र में:

- जलभराव और ट्रैफिक जाम
- बिजली और परिवहन में बाधा
- बीमारियों का फैलाव

इस प्रकार, अत्यधिक वर्षा जनजीवन को प्रभावित करती है।

3. कविता में सावन के बादल का प्रयोग एक संचार माध्यम के रूप में किया गया है जिसके द्वारा कवि अपने परिवार तक संदेश भेज रहा है। कक्षा में संचार के नए-पुराने माध्यमों में अंतर बताते हुए चर्चा कीजिए और लिखिए।

उत्तर: कविता में बादल को संदेशवाहक (पुराना माध्यम) बनाया गया है।

पुराने माध्यम:

- कबूतर, दूत, पत्र आदि
- समय अधिक लगता था
- विश्वसनीयता कम होती थी

नए माध्यम:

- मोबाइल फोन, इंटरनेट, ईमेल, सोशल मीडिया
- तुरंत संदेश पहुँचता है
- अधिक सुविधाजनक और तेज

निष्कर्ष: आज के आधुनिक साधनों ने संचार को बहुत आसान और तेज बना दिया है, लेकिन पुराने माध्यमों में भावनात्मक जुड़ाव अधिक था।

4. भवानीप्रसाद मिश्र ने यह कविता स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कारावास में लिखी थी। अपने शिक्षक और पुस्तकालय की सहायता से 'भारत का स्वतंत्रता संग्राम' विषय पर लेख लिखिए।

उत्तर: भारत का स्वतंत्रता संग्राम हमारे देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। अंग्रेजों ने भारत पर लगभग 200 वर्षों तक शासन किया और भारतीयों का शोषण किया।

स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत 1857 के विद्रोह से मानी जाती है, जिसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है। इसके बाद महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे कई आंदोलन हुए।

इस संघर्ष में अनेक महान नेताओं—महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस आदि—ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने बलिदान और संघर्ष से देश को स्वतंत्रता दिलाई।

अंततः 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। यह स्वतंत्रता लाखों लोगों के त्याग और बलिदान का परिणाम है।

निष्कर्ष: हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद रखते हुए देश की एकता और प्रगति के लिए कार्य करना चाहिए।

सृजन

1. कल्पना कीजिए कि कवि की माँ को पत्र लिखना आता है। कविता में वर्णित उनकी छवि और अनुमान के आधार पर लिखिए कि वे कवि के लिए पत्र में क्या-क्या लिखतीं?

उत्तर: नीचे माँ के स्नेह और चिंता को ध्यान में रखते हुए एक पत्र प्रस्तुत है:

प्यारे बेटे,

स्नेह भरा आशीर्वाद।

तुम्हारा हाल जानने की बहुत इच्छा होती है। यहाँ घर पर सब कुशल हैं, पर तुम्हारी बहुत याद आती है। तुम दूर हो, इसलिए मन हमेशा चिंतित रहता है। खाना समय पर खाया करो और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना।

तुम्हारे पिताजी बाहर से भले ही मजबूत दिखते हैं, पर तुम्हें याद करके कई बार भावुक हो जाते हैं। तुम्हारी बहन भी तुम्हें बहुत याद करती है। घर का हर कोना तुम्हारी कमी महसूस करता है।

बेटा, हम जानते हैं कि तुम कठिन परिस्थिति में हो, पर हमें तुम पर गर्व है। तुम हिम्मत बनाए रखना और धैर्य से काम लेना। भगवान तुम्हारी रक्षा करें।

जल्दी घर लौटने की आशा में।

तुम्हारी माँ

2. कविता में माँ और पिताजी के बीच कवि के विषय में की जाने वाली बातचीत का वर्णन है। उनकी इस बातचीत को संवाद-लेखन के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: माँ और पिताजी के बीच संवाद (संवाद-लेखन)

माँ: आज फिर उसका बहुत ख्याल आ रहा है, न जाने कैसे होगा वहाँ।

पिताजी: हाँ, मैं भी सोचता हूँ... लेकिन वह मजबूत है, सब सह लेगा।

माँ: मजबूत तो है, पर दिल से बहुत कोमल है। खाना-पीना ठीक से करता होगा या नहीं...

पिताजी: (धीरे से) पता नहीं... पर वह हमें चिंता में नहीं डालना चाहता, इसलिए खुद को "मस्त" बताता होगा।

माँ: भगवान उसे सुरक्षित रखे। बस जल्दी से वापस आ जाए।

पिताजी: हाँ, वही हमारी सबसे बड़ी खुशी होगी।

3. इस कविता में कवि ने सावन के बादल को संदेशवाहक बनाया है। अगर आपको किसी प्राकृतिक उपादान के माध्यम से अपने घर, मित्र या किसी संबंधी व्यक्ति को कोई संदेश भेजना हो तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

उत्तर: यदि मुझे किसी प्राकृतिक उपादान के माध्यम से संदेश भेजना हो, तो मैं हवा (पवन) को चुनूँगा/चुनूँगी।

हवा हर जगह पहुँच सकती है और बहुत तेज़ी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाती है। यह बिना किसी बाधा के दूर-दूर तक संदेश ले जा सकती है। साथ ही, हवा को हम महसूस कर सकते हैं, इसलिए यह मेरे संदेश को भावनाओं के साथ मेरे घर या प्रियजनों तक पहुँचा सकती है।

निष्कर्ष: इसलिए हवा एक ऐसा माध्यम है जो तेज़, सर्वव्यापी और भावनाओं को व्यक्त करने वाला है, इसलिए मैं इसे संदेशवाहक के रूप में चुनूँगा/चुनूँगी।

भाषा से संवाद

व्याकरण की बात

1. "आज सबका मन चुआ होगा।"

उपर्युक्त पंक्ति में रेखांकित शब्द कवि की क्षेत्रीय/स्थानीय भाषा का शब्द है। कविता में स्थानीय भाषा के शब्दों का सहज प्रयोग हुआ है। कविता से कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। उनमें रेखांकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनसे नए वाक्य बनाइए।

- एक छिन सौ बरस है रे
- तुझे बतलाता कि बेला/ने फलानी फूल झेला
- और भौजी और सरला, सहज पानी सहज तरला
- मन कि बड का झाड़ जैसे

उत्तर: यहाँ दिए गए रेखांकित शब्दों के अर्थ तथा उनसे बने वाक्य इस प्रकार हैं—

1. छिन - अर्थ: क्षण (बहुत कम समय)

वाक्य: एक छिन में ही उसकी ज़िंदगी बदल गई।

2. बेला - अर्थ: समय / अवसर (यहाँ संदर्भ में समय)
वाक्य: यह पढ़ाई करने की सही बेला है।
3. फलानी - अर्थ: कोई विशेष (जिसका नाम न लिया जाए)
वाक्य: वह फलानी जगह जाने की बात कर रहा था।
4. भौजी - अर्थ: भाभी
वाक्य: मेरी भौजी मुझे बहुत प्यार करती हैं।
5. तरला - अर्थ: विनती / प्रार्थना
वाक्य: बच्चे ने माँ से खेलने जाने के लिए बहुत तरला किया।
6. बड़ (बरगद) - अर्थ: बरगद का पेड़
वाक्य: गाँव में एक विशाल बड़ का पेड़ है।
7. झाड़ - अर्थ: पेड़
वाक्य: उस झाड़ के नीचे लोग बैठकर आराम करते हैं।

2. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों में आए शब्दों की व्याकरणिक पहचान लिखिए। आपकी सहायता के लिए एक उदाहरण नीचे दिया गया है।

(क) "बहुत पानी गिर रहा है"

'पानी' शब्द है — संज्ञा
'बहुत' शब्द है — विशेषण
'गिर रहा है' है — क्रिया

(घ) "एक पत्ता टूट जाए, बस कि धारा फूट जाए"

'एक' शब्द है — विशेषण
'फूट जाए' है — क्रिया
'पत्ता' शब्द है — संज्ञा

(ख) "पिताजी जिनको बुढ़ापा, एक क्षण भी नहीं व्यापा"

'बुढ़ापा' शब्द है — संज्ञा
'व्यापा' शब्द है — क्रिया
'जिनको' शब्द है — सर्वनाम

(ङ) "हे सजीले हरे सावन, हे कि मेरे पुण्य पावन"

'सजीले' शब्द है — विशेषण
'मेरे' शब्द है — सर्वनाम
'सावन' शब्द है — संज्ञा

(ग) "खुले सिर नंगे बदन वह, घूमता फिरता मगन वह"







'खुले' शब्द है — विशेषण
'वह' शब्द है — सर्वनाम
'बदन' शब्द है — संज्ञा
'फिरता' शब्द है — क्रिया

गतिविधियाँ

1. कवि ने कविता में अपने परिवार का उल्लेख किया है। आप भी अपना एक परिवार-वृक्ष तैयार कीजिए और प्रत्येक सदस्य के व्यक्तित्व के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

उत्तर:

मेरा परिवार-वृक्ष

	<p>दादाजी: वे बहुत अनुभवी और ज्ञानवान हैं। हमें कहानियाँ सुनाते हैं और जीवन के मूल्य सिखाते हैं।</p>		<p>दादीजी: बहुत स्नेही और धार्मिक स्वभाव की हैं। उनका प्यार पूरे परिवार को जोड़े रखता है।</p>
	<p>पिताजी: मेहनती और अनुशासित हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियाँ अच्छे से निभाते हैं।</p>		<p>माताजी: बहुत दयालु और देखभाल करने वाली हैं। वे परिवार की धुरी हैं।</p>
	<p>मैं: पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद में भी रुचि रखता/रखती हूँ।</p>		<p>भाई/बहन: मेरा अच्छा मित्र है, जिसके साथ मैं अपने सुख-दुख बाँटता/बाँटती हूँ।</p>

2. कविता में प्रयुक्त ध्वनि आधारित शब्द (जैसे— झरा-झर, थर-थर, सर-सर) को पढ़कर एक छोटी-सी ऑडियो रिकॉर्डिंग या मौखिक पाठ तैयार कीजिए। बताइए कि ये शब्द कविता में कैसे वातावरण का निर्माण करते हैं?

उत्तर: कविता में झरा-झर, थर-थर, सर-सर जैसे ध्वनि आधारित शब्दों का प्रयोग बहुत सुंदर तरीके से किया गया है।

ये शब्द—

- प्रकृति की वास्तविक ध्वनियों का अनुभव कराते हैं।
- बारिश, हवा और वातावरण को जीवंत बना देते हैं।
- पाठक को ऐसा महसूस होता है जैसे वह दृश्य को अपनी आँखों से देख और कानों से सुन रहा हो।
- कविता में लय और संगीतात्मकता (music) उत्पन्न करते हैं।

निष्कर्ष: इन ध्वनि शब्दों के कारण कविता का वातावरण जीवंत, प्रभावशाली और भावनात्मक बन जाता है।

भाषा संगम

"घर कि घर में सब जुड़े हैं"

नीचे 'घर' शब्द के लिए संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त शब्दों की सूची दी गई है।

मकान, गृह, निवास (हिंदी); गृहम् (संस्कृत); घर (पंजाबी); घर (उर्दू); गॅरु (कश्मीरी); घरु (सिंधी); घर (मराठी); घर (गुजराती); घर (कोंकणी); घर, आवास (नेपाली); घर, बाड़ी (बांग्ला); घर (असमिया); युम (मणिपुरी); घर, गृह, आलय, आवास (ओड़िआ); इल्लु (तेलुगु); वीडु, इल्लम् (तमिल); वीडु, इल्लम (मलयालम); गृह, मने (कन्नड़)।

इनके अतिरिक्त यदि आप 'घर' शब्द को किसी और भाषा में भी जानते हैं तो उस भाषा में भी लिखिए।

उपर्युक्त वाक्य को अपनी मातृभाषा में भी लिखिए।

<https://shabd.education.gov.in/lexicon.jsp>

उत्तर: संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गई भाषाओं के अतिरिक्त, देश-विदेश की कुछ अन्य प्रमुख भाषाओं में 'घर' शब्द को निम्नलिखित नामों से जाना जाता है:

- भोजपुरी: घर / दुआर
- मैथिली: घर / कतओ (घर के अर्थ में)
- डोगरी: घर
- खासी (मेघालय की भाषा): ईंग (Iing)
- अंग्रेज़ी (English): होम (Home) / हाउस (House)
- फ़ारसी (Persian): खाना (Khana)
- रूसी (Russian): दोम (Dom)
- फ्रेंच (French): मेज़ों (Maison)
- जर्मन (German): हाँउस (Haus)

उपर्युक्त वाक्य ("घर कि घर में सब जुड़े हैं") का मातृभाषा में अनुवाद:

- हिंदी (मानक रूप): "घर के घर में सब जुड़े हैं।" या "घर में सब एक-दूसरे से बंधे हुए हैं।"
- भोजपुरी: "घर के घर में सब जुड़ल बाड़े।"
- मैथिली: "घरक घर में सब जुड़ल छथि।"
- मराठी: "घरातल्या घरात सगळे एकमेकांशी जोडलेले आहेत."
- गुजराती: "ઘરના ઘરમાં બધા જોડાયેલા છે." (घर ना घर मां बधा जोड़ाएला छे.)
- पंजाबी: "ਘਰ ਦੇ ਘਰ ਵਿੱਚ ਸਾਰੇ ਜੁੜੇ ਹੋਏ ਹਨ।" (घर दे घर विच सारे जुड़े होए हन।)
- बांग्ला: "ঘরের মধ্যে সবাই সবাই জায়ে যুক্ত।" (घोरेर मोद्धये शबाई शबार शाथे जुक्तो।)

खोजबीन

शिक्षक की सहायता से ऐसी किसी अन्य कविता अथवा कहानी के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए जिसमें घर, परिवार की याद जैसी भावनाएँ चित्रित हों। साथ ही पुस्तकालय अथवा इंटरनेट की सहायता से उस रचना को कक्षा में पढ़कर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दीजिए।

उत्तर: चयनित रचना: कविता — "लौट आना मेरे गाँव" (या अज्ञेय जी की कविता "याद") अथवा प्रसिद्ध आधुनिक कविता "घर" (दिविक रमेश द्वारा रचित)।

कक्षा में प्रस्तुति के लिए हम सुप्रसिद्ध गीतकार और कवि अदम गोंडवी तथा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की विधाओं से प्रेरित होकर घर और गाँव की याद पर केंद्रित एक अत्यंत मर्मस्पर्शी रचना की प्रस्तुति तैयार कर रहे हैं।

कक्षा प्रस्तुति (Brief Presentation)

शीर्षक: प्रवासी का दर्द और घर की याद

प्रस्तुतकर्ता: [आपका नाम]

आदरणीय शिक्षक महोदय और मेरे सहपाठियों,

आज मैं आपके सामने 'घर की याद' विषय पर आधारित एक अन्य प्रसिद्ध कविता की कुछ पंक्तियाँ प्रस्तुत करने जा रहा/रही हूँ, जो रोज़गार या मजबूरी के कारण घर से दूर रहने वाले व्यक्ति की पीड़ा को दर्शाती है:

"अमवा की वो डालियाँ, वो पीपल की छाँव, > याद आता है बहुत, मुझे मेरा गाँव। > ईट-पत्थरों के इस शहर में, दिल मेरा रमता नहीं, > माँ के आँचल सा सुकूँ, इस जहाँ में मिलता नहीं।"

प्रस्तुति का संक्षिप्त सार (Analysis):

- भाव और संवेदना: भवानीप्रसाद मिश्र की कविता 'घर की याद' की तरह ही इस रचना में भी घर के भौतिक रूप (मकान) की जगह वहाँ के रिश्तों, जैसे— माँ का आँचल, पिता का साया और गाँव की प्राकृतिक सुंदरता (पीपल, आम के पेड़) को याद किया गया है।
- समानता: दोनों ही कविताओं में मुख्य भाव 'अकेलापन' और 'विछोह' (बिछड़ना) है। जहाँ भवानीप्रसाद जी जेल की चारदीवारी से अपने घर को याद करते हैं, वहीं आधुनिक युग का मनुष्य शहर की व्यस्त और यांत्रिक जिंदगी के बीच अपने संयुक्त परिवार और पुरानी यादों के लिए तरसता है।

'घर की याद' कविता में कवि सावन के बादलों को दूत बनाकर अपने परिवार के पास संदेश ले जाने का आग्रह करता है। प्रकृति के उपादानों की कल्पना संदेशवाहक के रूप में करने के अनेक उदाहरण साहित्य में मिलते हैं। शिक्षक, पुस्तकालय और इंटरनेट की सहायता से ऐसी कुछ रचनाओं के बारे में पता लगाइए और बताइए कि इनमें प्रकृति के किन उपादानों को संदेशवाहक बनाया गया है?

उत्तर: भारतीय साहित्य की यह एक बहुत पुरानी और समृद्ध परंपरा रही है कि कवियों ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए प्रकृति के विभिन्न अंगों (उपादानों) को 'दूत' या 'संदेशवाहक' (Messenger) के रूप में चुना है। इसके प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित हैं:

1. मेघदूतम् (महाकवि कालिदास)

- प्रकृति का उपादान (संदेशवाहक): मेघ (बादल)
- विवरण: संस्कृत साहित्य के महान कवि कालिदास द्वारा रचित 'मेघदूतम्' विश्व का सबसे प्रसिद्ध दूत-काव्य है। इसमें कुबेर द्वारा निष्कासित किया गया एक यक्ष अपनी प्रेमिका (यक्षिणी) के पास रामगिरि के पर्वतों से अलकापुरी तक का संदेश भेजने के लिए आषाढ़ के महीने में उमड़ते बादलों (मेघ) को अपना दूत बनाता है।

2. रामचरितमानस (गोस्वामी तुलसीदास)

- प्रकृति का उपादान (संदेशवाहक): पवन (हवा) और वानर-पक्षी
- विवरण: जब माता सीता का हरण हो जाता है, तब भगवान श्री राम वियोग में जंगलों में घूमते हुए प्रकृति के पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों से सीता का पता पूछते हैं— "हे खग मृग हे मधुकर श्रेणी, तुम्ह देखी सीता मृगनैनी"। इसके अतिरिक्त, हनुमान जी (जो पवनपुत्र हैं) को दूत बनाकर लंका भेजा जाता है।

3. पद्मावत (महाकवि मलिक मुहम्मद जायसी)

- प्रकृति का उपादान (संदेशवाहक): शुक (तोता) और काग (कौआ)
- विवरण: जायसी के प्रसिद्ध महाकाव्य 'पद्मावत' में राजा रत्नसेन और रानी पद्मावती के बीच संदेश लाने और ले जाने का कार्य 'हीरामन तोता' करता है। इसके अलावा नागमती के विरह वर्णन में वह कौए और भौरे के माध्यम से संदेश भेजती है कि विरह की आग के धुएँ से उनका रंग काला हो गया है।

4. आधुनिक हिंदी कविता — "पवन दूतिका" (अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध')

- प्रकृति का उपादान (संदेशवाहक): पवन (हवा/वायु)
- विवरण: 'प्रियप्रवास' महाकाव्य के इस अंश में श्री कृष्ण के मथुरा चले जाने के बाद, विरह में व्याकुल राधिका जी प्रातःकाल बहने वाली सुगन्धित पवन (हवा) को अपनी सखी और दूतिका मानकर कृष्ण के पास अपना दुख भरा संदेश भेजती हैं।

निष्कर्ष: इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि मानव का प्रकृति के साथ हमेशा से एक गहरा और आत्मीय संबंध रहा है। जब इंसान अपनी से दूर होकर अकेला पड़ जाता है, तब प्रकृति ही उसकी सबसे बड़ी हमदर्द और संदेशवाहक बनती है।